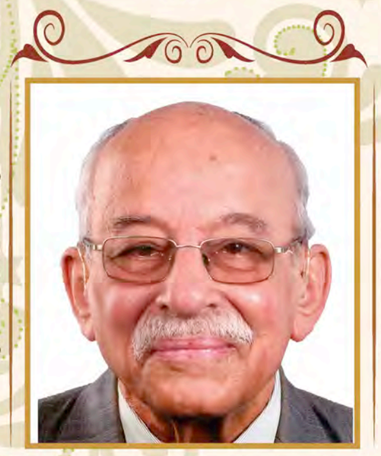

श्री धीरेन्द्रनाथ बेज़बरूवा

Shri Dhirendra Nath Bezboruah



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

श्री धीरेन्द्रनाथ बेज़बरूवा

श्री धीरेन्द्रनाथ बेज़बरूवा अंग्रेजी दैनिक 'द सेन्टिनेल' के सेवानिवृत्त संस्थापक संपादक हैं तथा आपको एक ऐसे संपादक के रूप में जाना जाता है, जिसने साफ–सुथरी पत्रकारिता के संजोये हुए सिद्धांतों को प्रोत्साहित किया।

2. आपका जन्म 21 नवम्बर, 1933 को हुआ। आपने वर्ष 1956 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एम.ए. की उपाधि अर्जित की। आपने लेडी केने कॉलेज, शिलांग में अंग्रेजी के व्याख्याता के रूप में अपने अध्यापन करिअर की शुरूआत की तथा कॉटन कॉलेज, गुवाहाटी में आने से पहले आपने जे बी कॉलेज, जोरहाट में अध्यापन कार्य किया। वर्ष 1965 में, आपको बोर्ड ऑव सेकेण्डरी एडयूकेशन, असम के शिक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। आपने राज्य के अध्यापकों के लिए अल्प प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का आयोजन एवं संचालन किया। आपने वर्ष 1970 तक बोर्ड ऑव सेकेण्डरी एडयूकेशन, असम के साथ कार्य किया। इसी बीच ब्रिटेन की रीडिंग युनिवर्सिटी में प्रायोगिक भाषा–विज्ञान में परास्नातक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए आपको ब्रिटिश–काउंसिल–छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। वर्ष 1971 में आपने मैसूर के रीजनल कॉलेज ऑव एडयूकेशन में एक व्याख्याता के रूप में कार्य ग्रहण किया। जून, 1972 में आपको उसी कॉलेज में रीडर एवं अंग्रेजी के विभागाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया। अक्तूबर, 1979 में आपको पूर्वोत्तर के लिए एन सी ई आर टी का क्षेत्र सलाहकार नियुक्त किया गया।

3. आपने दिसम्बर, 1982 में, शीघ्र ही शुरू किए जाने वाले एक अंग्रेजी दैनिक के संस्थापक संपादक के रूप में गुवाहाटी के ओमेगा प्रिंटर्स एवं पब्लिसर्श (प्राइवेट लिमिटेड) में कार्य ग्रहण किया। 'द सेन्टिनल' 13 अप्रैल, 1983 को शुरू किया गया। आप 22 वर्षों तक सेन्टिनल के संपादक रहे। एक पत्रकार के रूप में, बंगलादेश से बड़े पैमाने पर अवैध आप्रवासन के विरुद्ध आपने एक सतत् अभियान की अगुआई की। आपने 1983 के अवैध प्रवासी (अधिकरणों द्वारा निर्धारण) अधिनियम के अधिनियमन का सख्त विरोध भी किया था, जो कि अनन्य रूप से असम के लिए अधिनियमित एक विभेदकारी आप्रवासन कानून था। आपने वर्ष 2005 में, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस अधिनियम को अमान्य करने में एक बड़ी भूमिका निभायी थी। आपको वर्ष 1995 से 1997 तक एडिटर्स गिल्ड ऑव इंडिया का अध्यक्ष चुना गया था। नॉर्थ ईस्ट राइटर्स फोरम के वर्ष 1997 में इसकी शुरूआत से 2001 तक और पुनः वर्ष 2004 में अध्यक्ष रहे। आप इंडियन इंस्टीट्यूट ऑव मॉस कम्युनिकेशन, नई दिल्ली के गवर्निंग बोर्ड के सदस्य रहे और जुलाई 2003 से नेशनल बुक ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं।

4. आपने शैक्षिक पत्रिकाओं में शिक्षा, विशेषकर भाषा परीक्षण, भाषा विज्ञान तथा साहित्य के क्षेत्र में, इसके विभिन्न पहलुओं पर कई एक पेपर प्रकाशित किए हैं। आपने 1978 में मैसूर विश्वविद्यालय के बी. ए. पाठ्यक्रम के लिए दो पाठ्य पुस्तकें (एन एन्थोलोजी ऑव इंग्लिश प्रोज एंड एंथोलोजी ऑव इंग्लिश पोएट्री) निर्मित कीं। आपने कुछेक अति प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और संग्रहों में असमियां लघु कथाओं और कविताओं के अनेक रूपांतर (बंगाली में भी) प्रकाशित किए। आपने डा. बिरेन्द्र कुमार भट्टाचार्य के ज्ञानपीठ पुरस्कृत असमी उपन्यास 'मृत्युंजय' तथा थ्री स्कोर असमीज पोएम्स– एक संग्रह का अंग्रेजी में अनुवाद किया। भावेन्द्रनाथ सैकिया का 'हिज केवर्न' तथा अन्य कहानियां तथा भावेन्द्रनाथ सैकिया की लघु कथाओं के 10 रूपांतरों की एक ई–बुक 2010 में प्रकाशित हुई।

5. आपको कई एक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया जिनमें वर्ष 1991 में सदभावना पुरस्कार, वर्ष 1995 में रूपांतर कार्य के लिए कथा पुरस्कार, वर्ष 1997 में पत्रकारिता का ज्योतिप्रसाद अग्रवाल पुरस्कार, वर्ष 1997 का पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए बी.डी.गोयनका पुरस्कार, वर्ष 2000 में पत्रकारिता के लिए पंचजन्य नचिकेता पुरस्कार तथा वर्ष 2001 में पत्रकारिता के क्षेत्र में शिव प्रसाद बरूआ राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं।

Shri Dhirendra Nath Bezboruah

Shri Dhirendra Nath Bezboruah, retired founder Editor of an English Daily The Sentinel, is recognized as an editor who upheld the cherished principles of clean journalism.

2. Born on November 21, 1933, Shri Bezboruah received his M.A. degree in English Literature from the Banaras Hindu University in 1956. He started his teaching career as a lecturer in English at Lady Keane College, Shillong, and then at J.B. College, Jorhat before moving on to Cotton College, Guwahati. In 1965, he was appointed Education Officer of the Board of Secondary Education, Assam. He organized and conducted a series of short training programmes for teachers of the State. He worked with the Board of Secondary Education, Assam till 1970. In between, he won a British Council scholarship for a postgraduate diploma course in Applied Linguistics at Reading University in Britain. In 1971, he joined the Regional College of Education in Mysore as a lecturer. In June 1972, he was appointed Reader and head of the Department of English in that college. In October 1979, he was appointed Field Advisor of NCERT for the North-east.

3. Shri Bezboruah joined Omega Printers and Publishers (Private) Limited of Guwahati in December 1982 as the founder editor of a new English daily about to be launched. 'The Sentinel' was launched on April 13, 1983. He remained editor of The Sentinel for 22 years. As a journalist, he spearheaded a relentless crusade against the large-scale illegal immigration from Bangladesh. He also strongly opposed the enactment of- the Illegal Migrants (Determination by Tribunals) Act of 1983, which was a discriminatory immigration law enacted exclusively for Assam. He played a major role in the striking down of the Act in 2005 by the Supreme Court. He was elected President of the Editors Guild of India from 1995 to 1997. He was President of the North East Writers' Forum from its inception in 1997 up to 2001 and again in 2004. He was a member of the governing board, Indian Institute of Mass Communication, New Delhi and a trustee of the National Book Trust from July 2003.

4. Shri Bezboruah has published a number of papers on various aspects of education, especially in the areas of Language Testing, Linguistics and Literature in academic journals. He produced two textbooks for the B.A. course of Mysore University (An Anthology of English Prose and An Anthology of English Poetry) in 1978. He has published numerous translations of Assamese short stories and poetry (also Bengali) in some of the most prestigious journals and anthologies. He translated Dr. Birendra Kumar Bhattacharyya's Jnanpith Award winning Assamese novel Mrityunjay and Three Score Assamese Poems — an anthology to English. His Cavern and Other Stories of Bhabendranath Saikia, an e-book of 10 translations of Bhabendranath Saikia's short stories, came out in 2010.

5. Shri Bezboruah has won several awards including Sadbhavana Award in 1991, the Katha Award for translation in 1995, the Jyotiprasad Agarwalla Award for journalism in 1997, the B.D. Goenka Award for excellence in journalism for the year 1997, the Panchajanya Nachiketa Award for journalism in 2000 and the Siva Prasad Barooah National Award for journalism for the year 2001.